Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

86

“विकसित भारत में हिन्दी”

प्रा.डॉ.महेशकुमार जे. वाघेला

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

सरकारी विनयन कोलेज, वल्लभीपुर

जि. भावनगर, गुजरात

Abstract:

विकसित भारत में हिन्दी अपने दम पर राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो गई है। हिन्दी की भूमिका विकसित भारत में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हिन्दी भाषा न केवल भारतीय संस्कृति और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह भाषा भारतीय समाज के साथ-साथ विश्व स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी भाषा का विस्तार और उन्नति का इतिहास विविधता और समृद्धता की ओर इशारा करता है। यह भारतीय सभ्यता का एक प्रमुख स्तम्भ है और उसकी अद्भुतता को संवारता है। विभिन्न भाषाओं और विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं के बीच एकता और सामंजस्य का माध्यम बनाने के लिए भी हिन्दी का महत्व अत्यधिक है। विकसित भारत में हिन्दी का महत्व विभिन्न क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सरकारी व्यवस्था, शिक्षा, भारतीय

संस्कृति, और व्यापार में हिन्दी का प्रयोग अत्यधिक है। साथ ही, डिजिटल युग में भी हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका है, जैसे कि भारत में वेबसाइट्स, ऐप्स, और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी का विस्तार हो रहा है। यह न केवल भाषा के लोकप्रियता को बढ़ाता है, बल्कि भारत के विकास में भी सहायक होता है। हिन्दी के माध्यम से भारतीय संस्कृति, साहित्य, और विज्ञान के अद्भुत खजाने का प्रसार होता है। यह भाषा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को एक साथ जोड़ती है और राष्ट्रीय एकता और बहुभाषिता के सिद्धांत को प्रोत्साहित करती है।

पूर्वभूमिका:

भारत2047 कैसा होगा वर्ष? भारत के प्रधानमंत्री का मानना है कि 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में तकनीकी का बहुत बड़ा योगदान होगा। प्रत्येक क्षेत्र में तकनीक का उपयोग होगा। राजनीति, दैनिक कार्यों, कला-संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि आदि समाज का कोई भी पहलू इससे अछूता नहीं रहेगा। ऐसे में इन सभी क्षेत्रों में अभिव्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण आयाम भाषा है। इनमें हिन्दी भाषा सत-प्रतिशत खरी उतरती है।

भारत सरकार के द्वारा हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 14 सितंबर 1949 को संविधान के अनुच्छेद 343 में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया तथा इसे 8 वीं अनुसूची मे भी शामिल किया गया। जिसके अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। आज के समय में हिन्दी विश्व की सबसे प्रसिद्ध भाषाओं में से एक है एवं विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है, जिसमें हर प्रांत की अपनी एक

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

भाषा और बोली है। हमारी राजभाषा हिन्दी एकता एवं अखंडता की कड़ी है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है। हिन्दी भाषा बहुत ही सरल, सहज एवं मधुर है। देश के सभी जगहों पर आम जनता अपने नियमित कार्यों में हिन्दी भाषा का उपयोग करती हैं। राजभाषा हिन्दी संपूर्ण देश में अधिकांश लोगों द्वारा बोली एवं समझी जाती है। विश्व के लगभग 137 विश्वविद्यालयों में हिन्दी का शिक्षण होता है। विदेशों में भी हिन्दी भाषा का प्रचार एवं प्रसार बढ़ रहा है।

विकसित भारत में हिन्दी का सशक्तिकरण और समाज में इसकी प्रचलितता न केवल देश की एकता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भी भारतीय समाज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने में मदद करता है। अखिरकार, हिन्दी भाषा का महत्व उसकी व्यापकता, समृद्धता, और विश्वासिता में है। यह न केवल एक भाषा है, बल्कि एक विचारधारा, एक भारतीय आत्मा का प्रतीक है, जो विकसित भारत की नींव और ऊर्जा को दर्शाता है। इसलिए, हिन्दी भाषा को समर्पित करके, हम भारत के विकास के मार्ग में एक सकारात्मक कदम बढ़ा रहे हैं।

विकसित भारत में इंटरनेट और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हिन्दी :

इंटरनेट के इस युग में हिन्दी को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। हिन्दी भाषा के व्यापक प्रसार के कारण विश्व की अनेक वेबसाइट हिन्दी अपना चुकी है। ई-मेल, ई-कॉमर्स, इंटरनेट, एस. एम. एस. एवं वेब जगत मे भी हिन्दी की उपलब्धता है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, आईबीएम तथा

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

ओरेकल जैसे कंपनियां भी हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार हिन्दी सामग्री की खपत करीब 94 प्रतिशत तक बढ़ी है। हर पांच में से एक व्यक्ति हिन्दी में इंटरनेट प्रयोग करता है। हिन्दी में कई प्रकार के सॉफ्टवेयर एवं स्मार्टफोन एप्लीकेशन उपलब्ध है। फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप में हिन्दी में लिख सकते हैं। आज के दौर में करोड़ों लोग हिन्दी भाषा में कंप्यूटर का प्रयोग करते है। वर्तमान समय संचार प्रौद्योगिकी का है, जिसमें भारत के गांवों को भी इससे जोड़ा गया है। भारत के ग्रामीण इलाके में रहने वाले लोग सिर्फ हिन्दी भाषा के साथ ही दुनिया के साथ संपर्क में है। सूचना क्रांति के दौर में लगभग सभी कार्ययोजना हिन्दी में उपलब्ध होने के कारण इसकी व्यापकता ग्रामीण स्तर तक पहुंच चुकी है। हिन्दी भाषा को वैश्विक विस्तार के कारण हिन्दी में लिखे गए उपन्यास की लोकप्रियता विश्व स्तर पर हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के बीच रोजगार के नए अवसर का सृजन हो रहा है। आज हिन्दी केवल हिंदुस्तान की भाषा ना होकर संपूर्ण विश्व की भाषा बन चुकी है। हिन्दी भाषा का इतना विकास हुआ हैं कि स्टार चैनल ने अपना टीआरपी बढ़ाने के लिए हिन्दी भाषा का प्रयोग प्रारंभ कर दिया। हिन्दी आज विश्व में मनोरंजन की दुनिया में सबसे आगे है, जिसके कारण सोनी, जी.टी.वी., डिस्कवरी चैनल आदि भी भारत में हिन्दी में प्रसारित होने लगे।

विकसित भारत में व्यापार के क्षेत्र में हिन्दी :

हिन्दी भाषा व्यापार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। व्यापार विश्व में सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है और हिन्दी भाषा का उपयोग व्यापारिक संचार के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों में संचार के लिए भी किया जाता है। हिन्दी का उपयोग व्यवसाय की भाषा के

रूप में अनेक क्षेत्रों में देखा जा रहा है, जैसे कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, सरकारी व्यवसाय, और अन्य। विशेषकर शहरों में, जहां हिन्दी अधिकतर भाषा है, वहाँ हिन्दी में व्यापार की प्रक्रिया में सुधार हो रहा है। व्यापारिक संवाद में हिन्दी का उपयोग कार्यकर्ताओं के बीच संचार को मजबूत करता है, और उन्हें उनकी संवेदनशीलता के साथ संपर्क में लाता है। साथ ही, विभिन्न व्यापारिक साहित्य और दस्तावेजों को हिन्दी में उपलब्ध कराना भी व्यापारिक प्रक्रिया को सुगम बनाता है। हिन्दी भाषा का उपयोग विभिन्न विपणन और प्रचार कार्यक्रमों में होता है। ब्रांडों और उत्पादों की प्रचार और विपणन में हिन्दी का उपयोग किया जाता है ताकि उन्हें स्थानीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। बहुराष्ट्रीय कम्पनि यों ने हिन्दी को विज्ञापन तथा बाज़ार वद्धि के साधन के रुप में स्वीकार किया है।

विकसित भारत में अनुवाद के क्षेत्र में हिन्दी :

हिन्दी साहित्य की पहुंच विश्व स्तर पर हो रही है, जिसके विकास के कारण हिन्दी साहित्य का अनुवाद विश्व के कई भाषाओं में किया जा चुका है। हिन्दी का विस्तार अपनी भौगोलिक सीमा को पार कर, विश्व स्तर पर गहरी पैठ जमा चुका है। हिन्दी साहित्य का वैश्विक अनुवाद होने के पश्चात विश्व के अनेक भाषाओं के साहित्य में हिन्दी पहुंच चुकी हैं। भारत में हिन्दी भाषा के बढ़ती लोकप्रियता एवं उपयोगिता के कारण हिन्दी अब ग्लोबल भाषा बन चुकी है। विश्व पटल पर भारत की संस्कृति एवं साहित्य का सटीक वर्णन करने में हिन्दी भाषा का प्रमुख योगदान रहा है। भारत के प्रतिष्ठित साहित्यकारों की कृतियों का विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। इसी प्रकार रूसी भाषा, चीनी भाषा, इतालवी भाषा, डच भाषा, फ्रेंच आदि अन्य कई भाषाओं में भारतीय

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

साहित्यकारों के कृतियों का अनुवाद हो चुका है। अनुवाद की परंपरा के विस्तार से विश्व साहित्य में हिन्दी भाषा का महत्व बढ़ा है, और हिन्दी एक विश्व भाषा के रूप में उभरी है। विश्व में हिन्दी के प्रति बढ़ती रूचि के कारण विश्व के अधिकांश विकसित राष्ट्र भारतीय भाषा के अध्ययन के प्रति आकृष्ट हुए हैं। दुनिया के लगभग 46 देशों में हिन्दी भाषा के पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध है। सूचना क्रांति के कारण हिन्दी भाषा का काफी विस्तार हुआ है। सी-डैक ने भी हिन्दी भाषा के सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मंत्र राजभाषा, हिन्दी शब्द सिन्धु, स्मृति आधारित अनुवाद कंठस्थ, हिन्दी स्वयं शि क्षण, लीला हिन्दी प्रवाह, प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ, ई महाशब्दकोश, गूगल इनपुट टूल्स, माइक्रो सॉफ्ट इंडि क लैंग्वेज टूल, गूगल असि स्टेंट, हैलो गूगल, एलेक्सा, गूगल ट्रांसलेटर, क्रुति देव से मंगल फॉण्ट कन्वर्ट र आदि के उपयोग के साथ ई ऑफिस सॉफ्टवेयर जो कि यूनि कोड फॉण्ट समर्थित है, के उपयोग से सरकारी कामकाज संपादि त करना आसान हुआ है। इसे व्यापारिक, सामाजि क और सांस्कृति क संदर्भों में और प्रभावी बनाया जा सकता है।

विकसित भारत में संस्कृति और हिन्दी :

भारत देश में भाषा तथा संस्कृति की विविधता देश को समृद्ध करती है। भाषा एवं सांस्कृतिक विविधता के बावजूद हिन्दी संपूर्ण राष्ट्र में एकता का प्रतीक रही है। हमारे देश को आजाद करवाने में महात्मा गांधी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। गांधी जी ने अहिन्दी भाषी प्रांत के निवासी होने के बावजूद हिन्दी को आंदोलन की मुख्य भाषा बनाया, क्योंकि हिन्दी ही संपूर्ण राष्ट्र में समझी जाने वाली एक मात्र भाषा थी। इसी भाषा के बल पर आंदोलन का सपना साकार हुआ एवं

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। महात्मा गांधी ने कहा था "राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" संचार क्रांति के पश्चात हिन्दी भाषा के व्यापक प्रयोग होने के कारण आज हम सभी तकनीकी रूप से सुदृढ़ हो चुके हैं। यह लक्ष्य हिन्दी भाषा के बेहतर अनुप्रयोगों के कारण संभव हो पाया है।

विकसित भारत में रोजगार के क्षेत्र में हिन्दी :

रोजगार के नए अवसर के साथ ही हिन्दी भाषी लोगों की वैश्विक उपयोगिता बढ़ चुकी है एवं विदेशों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। शिक्षा, रोजगार, साहित्य, पर्यटन एवं तकनीकी के क्षेत्र में हम आत्मनिर्भर हो रहे हैं एवं आर्थिक दृष्टिकोण से हिन्दी भाषा के प्रभाव के कारण विदेशों के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। भारत को ग्लोबल बाजार बनाने की भूमिका में हिन्दी की सक्रिय भागीदारी है। वर्तमान समय में देशवासियों के लिए हिन्दी भाषा की उपलब्धता एवं उपयोगिता अनिवार्य हो चुकी है। एक उज्ज्वल भविष्य की संकल्पना के साथ राजभाषा हिन्दी अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर है।

निष्कर्ष :

अंत में, हिन्दी भाषा का महत्व विकसित भारत के समृद्ध और विविध समाज के लिए अधिक उजागर होता जा रहा है। इसका उपयोग न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ रहा है। हिन्दी भाषा की यह महत्वपूर्ण भूमिका भारत की विकास यात्रा में एक निरंतर साथी बनाए रखने में मदद करती है, जिससे देश अपने सपनों की ऊँचाइयों को प्राप्त कर सके।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

संदर्भ सूची :

1. राजभाषा भरती, राजभाषा विभाग नई दिल्ली -अंक 57
2. राजभाषा भरती, राजभाषा विभाग नई दिल्ली -अंक 152
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, http://14.139.60.153/handle/123456789/371से 02 नवंबर 2021
4. स्मारिका, विशेषांक, राजभाषा विभाग नई दिल्ली.